

## Padma Shri



### **SMT. YANUNG JAMOH LEGO**

Smt. Yanung Jamoh Lego is a famous herbalist. She is known for her remarkable achievements in healing more than 10,000 patients suffering from life-threatening diseases like Cancer, Diabetes, Hypertension, etc., who had lost hope in modern-day Allopathic Treatment through herbal and traditional medicine.

2. Born on 9 July, 1963, in Sika Tode village, East Siang district, Arunachal Pradesh, Smt. Lego showed her passion for the centuries-old legacy of herbal healing. After completing her B.Sc. and M.Sc. from Assam Agricultural University, Jorhat, Assam, she joined the Department of Agriculture, Government of Arunachal Pradesh in 1988, where she served as an Agriculture Inspector until her retirement in July 2023.

3. In the year 1981, inspired by her father, a respected folk healer, Smt. Lego embarked on a journey to become a Herbalist. After a 15-year-long apprenticeship under her father's tutelage, in 1995, she began her practice as a Herbal healer, drawing on the knowledge passed down through generations and guided by her father's wisdom. Over the past 29 years, she has cured more than 3,00,000 patients, including those suffering from any type of cancer such as blood cancer, lung cancer, breast cancer etc, stone problems, epilepsy, skin diseases, infertility, leprosy, Malaria, typhoid, dengue, Japanese Encephalitis, stroked patient, asthma, sinusitis, thyroid, and heart, lung problems, Gynecological problems, gastritis, gastric ulcers, cysts, tumors, etc., and various other life-threatening diseases. Her dedication to herbal healing has not only saved lives but also revived people's faith in traditional medicine.

4. Smt. Lego's impact extends beyond her practice. In 2009, She founded "Indigenous Herbal Heritage," an organization that promotes the cultivation of medicinal plants. Through this initiative, she has educated over 1,00,000 individuals about the benefits of herbs, encouraging them to grow plants in their kitchen gardens. The organization plants 5,000 medicinal plants annually, aiming to create a sustainable future for all.

5. For her exceptional contributions, Smt. Lego has received numerous accolades, including the "SRISTI Samman Award" in 2007 and the Arunachal Pradesh State Award in 2019. She was also honored with the "Paramparika Vaidya Ratna" award in 2013.



## श्रीमती यानुंग जमोह लेगो

श्रीमती यानुंग जमोह लेगो एक प्रसिद्ध हर्बलिस्ट हैं। वह हर्बल और पारंपरिक चिकित्सा से कैंसर, मधुमेह, उच्च रक्तचाप आदि जैसी जानलेवा बीमारियों से पीड़ित 10,000 से अधिक रोगियों को ठीक करने की अपनी उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए जानी जाती हैं। ये रोगी आधुनिक एलोपैथिक उपचार से उम्मीद हार चुके थे।

2. 9 जुलाई 1963 को अरुणाचल प्रदेश के पूर्वी सियांग जिले के सिका टोडे गांव में जन्मी श्रीमती लेगो ने हर्बल उपचार की सदियों पुरानी विरासत के प्रति अपना उत्साह दिखाया। असम कृषि विश्वविद्यालय, जोरहाट, असम से अपनी बी.एससी. और एम.एससी. पूरी करने के बाद, उन्होंने 1988 में अरुणाचल प्रदेश सरकार के कृषि विभाग में कार्यभार संभाला, जहाँ उन्होंने जुलाई 2023 में अपनी सेवानिवृत्ति तक एग्रीकल्चर इंस्पेक्टर के रूप में अपनी सेवाएं दीं।

3. वर्ष 1981 में, एक प्रतिष्ठित लोक चिकित्सक रहे अपने पिता से प्रेरित होकर श्रीमती लेगो ने हर्बलिस्ट बनने की यात्रा शुरू की। अपने पिता के अधीन 15 वर्ष लंबा प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद, वर्ष 1995 में, उन्होंने पीढ़ियों से चले आ रहे ज्ञान और अपने पिता की विद्वता से मार्गदर्शन पाकर एक हर्बल चिकित्सक के रूप में प्रैक्टिस शुरू की। पिछले 29 वर्षों में, उन्होंने 3,00,000 से अधिक रोगियों को ठीक किया है, जिनमें हर प्रकार के कैंसर जैसे रक्त कैंसर, फेफड़े का कैंसर, स्तन कैंसर, आदि, पथरी की समस्या, मिर्गी, त्वचा रोग, बांझपन, कुष्ठ रोग, मलेरिया, टाइफाइड, डेंगू, जापानी एन्सेफलाइटिस, स्ट्रोक रोगी, अस्थमा, साइनसाइटिस, थायरॉयड और हृदय, फेफड़ों की समस्याएं, स्त्री रोग, गैस्ट्राइटिस, गैस्ट्रिक अल्सर, सिस्ट, ट्यूमर, आदि और कई अन्य जानलेवा बीमारियों से पीड़ित लोग शामिल हैं। हर्बल उपचार के प्रति उनके समर्पण ने न सिर्फ लोगों की जान बचाई है बल्कि पारंपरिक चिकित्सा में लोगों का विश्वास भी पुनर्जीवित किया है।

4. श्रीमती लेगो सिर्फ अपनी प्रैक्टिस तक सीमित नहीं हैं। वर्ष 2009 में, उन्होंने "इंडिजिनस हर्बल हेरिटेज" नामक संगठन की स्थापना की, जो औषधीय पौधों की खेती को बढ़ावा देता है। इस पहल के जरिये, उन्होंने एक लाख से अधिक लोगों को जड़ी-बूटियों के लाभों के बारे में बताया है, और उन्हें अपने किचन गार्डन में पौधे उगाने के लिए प्रोत्साहित किया है। यह संगठन हर वर्ष पांच हजार औषधीय पौधे लगाता है, जिसका लक्ष्य सभी के लिए एक सस्टेनेबल भविष्य का निर्माण करना है।

5. श्रीमती लेगो के असाधारण योगदान के लिए, उन्हें कई पुरस्कार मिले हैं, जिनमें वर्ष 2007 में "सृष्टि सम्मान पुरस्कार" और वर्ष 2019 में अरुणाचल प्रदेश राज्य पुरस्कार शामिल हैं। उन्हें वर्ष 2013 में "पारंपरिक वैद्य रत्न" पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया।